

प्रेस विज्ञप्ति

**“शांति को प्राथमिकता देनी होगी; शांति के बिना हमें कभी सुरक्षा नहीं मिलेगी”:** माननीय श्री मिगुएल एंजेल मोरेटिनोस, यूनाइटेड नेशंस अलायंस ऑफ़ सिविलाइज़ेशन के हाई रिप्रेजेंटेटिव, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में अपने ऑफिशियल भारत दौरे के दौरान कहा

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 2026

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने, भारत के उनके ऑफिशियल दौरे के दौरान, यूनाइटेड नेशंस अलायंस ऑफ़ सिविलाइज़ेशन (UNAOC) के अंडर-सेक्रेटरी-जनरल, हाई रिप्रेजेंटेटिव और इस्लामोफोबिया से निपटने के लिए कल यूनाइटेड नेशंस के स्पेशल एन्वॉय, महामहिम श्री मिगुएल एंजेल मोरेटिनोस की मेज़बानी की। यह दौरा अलग-अलग कल्चर और समाज के बीच बातचीत, आपसी समझ और सहयोग को बढ़ावा देने के मकसद से एक ज़रूरी मुलाकात थी।

आने वाले डेलीगेशन में माननीय श्री मिगुएल एंजेल मोरेटिनोस; सुश्री निहाल साद, डायरेक्टर, UNAOC; सुश्री एना पाव्लुचेंको, प्रोग्राम ऑफिसर, इंस्टीट्यूशन और मेंबर स्टेट्स रिलेशंस एडवाइजर शामिल थे; मिस्टर मुहम्मद शबीर के, अंडर सेक्रेटरी (UNES), मिनिस्ट्री ऑफ़ एक्सटर्नल अफेयर्स; मिस्टर सुरेश चंद्र भट्ट, जॉइंट सेक्रेटरी (UNES-II), मिनिस्ट्री ऑफ़ एक्सटर्नल अफेयर्स के पीए; और मिस देवांशी सक्सेना, ऑफिसर ट्रेनी, मिनिस्ट्री ऑफ़ एक्सटर्नल अफेयर्स, भारत सरकार शामिल थे।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया से, मीटिंग में वाइस-चांसलर, रजिस्ट्रार, डीन (एकेडमिक अफेयर्स), डीन (इंटरनेशनल रिलेशंस), डीन (रिसर्च एंड इनोवेशन्स), कंट्रोलर ऑफ़ एग्जामिनेशन, चीफ प्रॉक्टर, यूनिवर्सिटी लाइब्रेरियन, चीफ पब्लिक रिलेशंस ऑफिसर (CPRO), सभी फैकल्टी के डीन, और यूनिवर्सिटी के दूसरे सीनियर अधिकारी शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत जामिया मिल्लिया इस्लामिया के रजिस्ट्रार प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी के फॉर्मल वेलकम से हुई, जिन्होंने खास डेलीगेशन का गर्मजोशी से स्वागत किया और यूनिवर्सिटी की विरासत को एक ऐसे प्रमुख इंस्टीट्यूशन के तौर पर बताया जो सबको साथ लेकर चलने वाली शिक्षा, कल्चरल डायवर्सिटी और एकेडमिक एक्सीलेंस के लिए कमिटेड है। उन्होंने यूनाइटेड नेशंस अलायंस ऑफ़ सिविलाइज़ेशन द्वारा प्रमोट किए गए मूल्यों के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और इंटरकल्चरल बातचीत को बढ़ावा देने में यूनिवर्सिटी की लगातार भागीदारी पर ज़ोर दिया। प्रोफ़ेसर रिज़वी ने वेस्ट एशिया में मौजूदा संघर्ष और अरब-इज़राइल विवाद की शुरुआत के बारे में डिटेल में बताया और इस क्षेत्र के समझौतों के जटिल इतिहास और संघर्ष में बड़ी ताकतों के असर का जिक्र करते हुए, आगे बढ़ने के लिए शांति बनाने और संघर्ष को सुलझाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि जेएमआई का नेल्सन मंडेला सेंटर फ़ॉर पीस एंड कॉन्फ़्लिक्ट रिज़ॉल्यूशन, जहाँ वे प्रोफ़ेसर भी हैं, पिछले दो दशकों से शांति बनाने के मकसद से पढ़ाई और रिसर्च के लिए पूरी तरह से कमिटेड रहा है।

यूनाइटेड नेशंस के अंडर-सेक्रेटरी-जनरल और यूनाइटेड नेशंस अलायंस ऑफ़ सिविलाइज़ेशन (UNAOC) के हाई रिप्रेजेंटेटिव, माननीय श्री मिगुएल एंजेल मोराटिनोस ने अपने भाषण में शांति और

आपसी समझ को बढ़ावा देने में इंटरकल्चरल बातचीत, सबको साथ लेकर चलने वाले समाज और एकेडमिक संस्थानों के साथ पार्टनरशिप के महत्व पर ज़ोर दिया। जिम्मेदार वैश्विक नागरिकों को आकार देने में विश्वविद्यालयों की भूमिका पर जोर देते हुए, उन्होंने संस्कृतियों के बीच सेतु निर्माण में अधिक युवा भागीदारी को प्रोत्साहित किया। उन्होंने सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता वाली तीन प्रमुख वैश्विक चिंताओं पर प्रकाश डाला, अर्थात् शांति, सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी), विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन और ग्रह की रक्षा की आवश्यकता; और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा उत्पन्न उभरती चुनौतियाँ, जबकि नैतिक ढांचे, बहुपक्षीय सहयोग और जिम्मेदार तकनीकी विकास के महत्व पर बल दिया।

पश्चिम एशिया में चल रहे वर्तमान युद्ध और हर बार संघर्ष और युद्ध होने पर मानवता की दुर्दशा का उल्लेख करते हुए, महामहिम श्री मिगुएल एंजेल मोराटिनोस ने जोर देकर कहा। “शांति को प्राथमिकता देनी होगी। शांति के बिना हमें कभी सुरक्षा नहीं मिलेगी। पिछले चार दशकों में, सरकारों और राज्य अभिनेताओं ने सुरक्षा को सबसे पहले रखा है और विफल रहे हैं। हर बार जब हम सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं, हम विफल होते हैं। मिस्टर मोरेटिनोस ने चेतावनी दी कि यह दुख की बात है कि हम इंसानियत के सामने मौजूद मुख्य समस्याओं, जैसे गरीबी, भुखमरी, शिक्षा और सस्तेनेबल हेल्थ को हल करने पर ध्यान देने के बजाय युद्धों पर खर्चों डॉलर खर्च कर रहे हैं। मिस्टर मोरेटिनोस ने दुनिया को शांति का एक मज़बूत संदेश देते हुए कहा, “कई कल्चर, कई देश और सभ्यताएँ हो सकती हैं, लेकिन हम सब एक इंसानियत बनाते हैं।”

अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के माननीय वाइस-चांसलर, प्रो. मज़हर आसिफ ने जामिया के प्लूरलिज़्म, कोएग्जिस्टेंस और नेशन-बिल्डिंग के कमिटमेंट के रिच हिस्ट्री को दोहराया। उन्होंने आज की दुनिया में प्यार और करुणा की ज़रूरत पर ज़ोर दिया, सूफीवाद की सबको साथ लेकर चलने वाली परंपराओं से प्रेरणा लेते हुए, और अलग-अलग “इज़्म” पर विचार किया, और प्यार, शांति और सद्भाव को सभी इंसानी कामों के पीछे ड्राइविंग फ़ोर्स के तौर पर शेयर्ड ह्यूमन वैल्यूज़ की ओर बदलाव का आह्वान किया। उन्होंने यूनिवर्सिटीज़ को अलग-अलग कम्युनिटीज़ के बीच बातचीत, क्रिटिकल थिंकिंग और जुड़ाव की जगह के तौर पर हाईलाइट किया, और इंटरकल्चरल अंडरस्टैंडिंग के एरिया में UNAOC के साथ कोऑपरेशन को मज़बूत करने में जामिया मिल्लिया इस्लामिया की गहरी दिलचस्पी ज़ाहिर की।

प्रो. साइमा सईद  
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी